''सूफीवाद तथा भक्ति आन्दोलन''

डॉ0 वन्दना सुमन

सूफी' शब्द अरबी के सूफ शब्द से निकला है, जिसका अर्थ है 'ऊन'। अरब देश में पैगम्बर मुहम्मद तथा अन्य सन्त सात्विकता का प्रतीक ऊन धारण करते थे। भगवान् मे हेतुरहित निष्काम, एकनिष्ठ युक्त अनवरत प्रेम का नाम ही 'भक्ति' है। यही पुरूषों का परम धर्म है, इसी से आत्मा प्रसन्न होती है। मानवतावाद में भक्ति तथा सूफी सन्त दोनों का विश्वास था। भक्तों ने दुःख संतप्त प्राणियों को केवल उपदेश दिया, सूफी सन्तों ने उपदेश पर बल न देकर समाज सेवा के व्यावहारिक पक्ष पर जोर दिया। टूटे हुए हाथ तक रोटी के टुकड़े पहुॅचाने का तात्पर्य मानव समाज की सेवा को व्यावहारिक रूप देना था। सूफी साधक समाज सेवा को ईश्वर प्राप्ति का प्रमुख साधन मानते थें, भक्ति आन्दोलन के सन्तों ने इस पक्ष पर इतना बल नहीं दिया।